



AAP सांसद राघव चड्ढा को बड़ा झटका, खाली करना होगा सरकारी आवास,

कोर्ट बोला- आपके पास बंगले में रहने का कोई औचित्य नहीं

नई दिल्ली: राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को अब अपना सरकारी बंगला खाली करना पड़ेगा. पटियाला हाउस कोर्ट ने अपने उस अंतरिम आदेश को वापस ले लिया, जिसमें उसने राज्यसभा सचिवालय को राघव चड्ढा से बंगला खाली न करवाने का निर्देश दिया था. इस आदेश के खिलाफ दायर सचिवालय की याचिका पर अपने आदेश में कोर्ट ने आज यानी शुक्रवार को कहा कि बंगला का अलॉटमेंट रद्द होने के बाद राघव चड्ढा का उस बंगले में रहने का कोई औचित्य नहीं बनता है. राघव चड्ढा ये दावा नहीं कर सकते कि राज्यसभा के सांसद के तौर पर कार्यकाल पूर्ण



होने तक उनका इस बंगले पर रहने का अधिकार बनता ही है. दरअसल, राघव चड्ढा को राज्यसभा सांसद बनने के बाद दिल्ली के पंडारा रोड पर टाइप-

बनने वाले नेताओं को सरकारी फ्लैट आवंटित किया जाता है. अपनी भूल सामने आने के बाद राज्यसभा सचिवालय ने बंगला खाली कराने के लिए नोटिस दिया था, जिसे राघव चड्ढा ने चुनौती दी और कहा कि बतौर सांसद उन्हें एक बार निवास आवंटित हो गया है तो सांसद रहते हुए उसे खाली नहीं करवाया जा सकता. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता बतौर राज्यसभा सांसद अपने पूरे कार्यकाल में बंगले में रहने का अधिकार नहीं जता सकते. अगर उसका आवंटन खारिज हो जाता है, तो उन्हें उसे खाली करना होगा. राज्यसभा सचिवालय के वकील ने कहा कि दलील देते हुए कहा

था कि राज्यसभा सांसद होने के नाते राघव चड्ढा को टाइप 6 बंगला आवंटित करने का अधिकार है, न कि टाइप 7 बंगला. पटियाला हाउस कोर्ट में राघव चड्ढा को बंगला खाली करने के मामले में लगाई अंतरिम रोक को हटाया. पटियाला हाउस कोर्ट ने राज्यसभा सचिवालय के बंगला खाली करने के नोटिस को सही ठहराया है. पटियाला हाउस कोर्ट ने कहा राघव चड्ढा के पास टाइप 7 बंगले पर कब्जा जारी रखने का कोई निहित अधिकार नहीं है क्योंकि यह केवल एक सांसद के रूप में उन्हें दिया गया विशेषाधिकार था.

भारत ने हॉकी में भी लहराया परचम, 22वां गोल्ड आया, पहली बार 100 मेडल पक्के

नई दिल्ली. भारतीय खिलाड़ी चीन में चल रहे एशियन गेम्स में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर रहे हैं. जब दूसरे खेल में एक के बाद एक मेडल आ रहे हैं तो भारतीय हॉकी टीम क्यों पीछे रहती. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के 13वें दिन शुक्रवार को गोल्ड मेडल जीत लिया. यह गेम्स में भारत का 22वां गोल्ड मेडल है. भारत के अब कुल 95 मेडल हो गए हैं. जल्दी ही भारत 100 मेडल की संख्या पार कर सकता है.

भारत के लिए शुक्रवार की सुबह एक हद तक निराश करने वाली रही. देश के शीर्ष शटलर एचएस प्रणय को सिंगल के साथ कुल 95 मेडल जीत चुका है. जबकि 9 मेडल पक्के हैं. यानी पहली बार भारत के 100 मेडल गेम्स आ रहे हैं.

भारत ने हॉकी का गोल्ड मेडल जीतने से पहले पुरुष ब्रिज टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता. इससे पहले अमन सेहरावत ने पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता. महिला कुश्ती में सोनम मलिक (62 किग्रा) और किरन बिशनोई (76 किग्रा) ने भी ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए. इससे पहले बैडमिंटन में एचएस को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा. चीन के ली शिफेंग ने प्रणय को 21-16 और 21-9 से हराया.

क्रिकेट में भारतीय पुरुष टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बना ली है. इस मैच में तिलक वर्मा ने बेहतरीन अर्धशतक जमाया. महिला टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर सेपक टकरा में भी मेडल सुनिश्चित कर लिया है.

सरकारी शिक्षकों को कोचिंग चलाने पर प्रतिबन्ध है,तो फिर सरकारी डॉक्टर को निजी क्लीनिक चलाने पर प्रतिबंध क्यों नहीं ?

करोड़ों रुपए की एमडीएम घोटाले का निष्पक्ष जांच कराया जाय तो सरकार को पैरों तले जमीन धिसक जाएंगे ।

और तो और हेडमास्टरों के साथ साथ बिहार के शिक्षा विभाग के काली करतूतों का भी पोल खुल जायेगे



सरकारी डॉक्टर से गरीबों को समुचित इलाज मिल जाता और विशेष परिस्थितियों में 10% अच्छे डाक्टर के पास गरीबों को इलाज के लिए जाना पड़ता ,इससे आग्रहान भारत योजना के तहत सरकारी खजाने की लुट रुक जाता और देश का आर्थिक ढांचे भी मजबूत होते। वही डाक्टरों द्वारा गरीबों को रेफर की परिपाटी भी थम जाता और गरीब हमेशा रेफर की परिपाटी से भी बच जाते ।

जनता की दबी-जुबान बताते हैं कि जो शिक्षक बगैर स्कूल जाए, अपना महीना का सैलरी बड़ी आसानी से उठा लिया करते थे,आज वही शिक्षक स्कूल के लिए निर्धारित समय सीमा से 10 मिनट पहले स्कूल पहुंच जाते हैं।

सूत्रों की बात मान लि जाए तो बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव के. के. पाठक द्वारा सरकारी विद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक को कोचिंग चलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है,साथ ही निजी कोचिंग संचालकों को सरकारी विद्यालय अवधि में कोचिंग नही चलाने का निर्देश दिया गया है ।

तो फिर सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर को निजी क्लीनिक चलाने पर प्रतिबंध क्यों नहीं है ?

क्या बिहार राज्य के तमाम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी किसी बड़े मंत्री की दबाव में काम करते हैं या फिर जिले में बैठे स्वास्थ्य अधिकारी मोटी रकम लेकर अपना अपना अधिकार को भी खो दिए है।

शिक्षक और चिकित्सक अपने अपने कर्तव्य बोध समझ ले तो शिक्षा और चिकित्सा के माध्यम से पूरे समाज में आमूल चूल परिवर्तन लाया जा सकता है, जब शिक्षा और चिकित्सा सुधर जाएंगे

करतूतों का भी पोल खुल जाएगा।

सरकारी शिक्षकों को कोचिंग चलने पर प्रतिबन्ध है , तो फिर सरकारी डॉक्टर को निजी क्लीनिक चलाने पर प्रतिबंध क्यों नहीं ?

सर्वेक्षण बताता है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों तथा जिला प्रशासन की इच्छा सक्ति के अभाव में बिहार सरकार के तमाम नीतियां विफल साबित होते आ रहे हैं और मुख्यमंत्री के द्वारा जनहित एवम राज्यहित में कठोर निर्णय एवं संघर्ष के बाद भी जनता के बीच मुख्यमंत्री का फैलते बदनामी ,अच्छे मुख्यमंत्री को भी पराजित करते जा रहे है। जैसे, शिक्षा विभाग में सुधार के



हेडमास्टरों के साथ -साथ शिक्षक को भी बले- बले रहता है । वहीं एमडीएम से बचने वाला पैसों को बंदर बांट भी किया जाता है ! और तो और निजी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का सरकारी विद्यालय में एडमिशन से बच्चों की संख्या सरकारी विद्यालय में अधिक हो जाती है और बच्चों की संख्या शिक्षकों के अपेक्षा कम हो जाती है ।

लिए शिक्षा विभाग के अपर सचिव के. के .पाठक के द्वारा उठाये गये कदम , जहां बिहार सरकार को मजबूती प्रदान कर रही है। वहीं शराब बंदी कानून की विफलता तथा कानून की आड़ में पुलिस द्वारा दमन की करवाई ,सरकार की पतन का कारण बनते जा रहे हैं । वहीं विजली विभाग के अधिकारियों का दमन की कार्रवाई,बिहार सरकार के प्रति नफुडत फैला रहे है जो बिहार सरकार के पतन की कारण बनते जा रहा हैं! आखिर अकेले मुख्यमंत्री को भी क्या सकते हैं ! फिर भी आंख मूंद कर सरकार को प्रसासनिक अधिकारियों पर विश्वास करना, बिहार- सरकार के लिए हार का कारण बन सकता है।

अर्थशास्त्र में अनुसंधान विचार विधि एवं दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

संवाददाता समर्थ कुमार सक्सेना



लखनऊ । नवयुग कन्या महाविद्यालय, में अर्थशास्त्र विभाग एवं अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में "अर्थशास्त्र में अनुसंधान : विचार, विधि एवं दृष्टिकोण" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रचलन एवं माँ सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। डॉ. प्रतीमा घोष ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम को गति प्रदान की। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. योगेश बंधु स्टेट कॉर्डिनेटर, वर्ल्ड बैंक तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. कविता बलियान, गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० मंजुला उपाध्याय द्वारा की गयी प्राचार्या एवं डॉ. शर्मिता नंदी अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष द्वारा अतिथियों को स्मृति चिह्न और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट वक्ता डॉ. कविता बलियान ने अनुसंधान के महत्व एवं भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अच्छे अनुसंधान के लिए समाज की रचना, आर्थिक एवं

राजनीतिक दशाओं, इतिहास तथा साहित्य का अध्ययन आवश्यक है । आर्कडों के संकलन, व्यवस्थापन एवं विश्लेषण में उपयुक्त अनुसंधान पद्धतियों का चयन कर परिकल्पना को किस प्रकार सत्यापित किया जाता है मुख्य वक्ता डॉ. योगेश बंधु ने अर्थशास्त्र में अनुसंधान की समाज में उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया कि कैसे रोज की जिंदगी में अर्थशास्त्र काम करता है जब हमें कोई चीज अच्छी है या बुरी लगती है, अच्छे या बुरा होने की वही बजह अनुसंधान का विषय बनती है जिसके कारण समाज में सर्विस उत्पन्न होती है प्राचार्या ने अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्राओं को नयी शिक्षा नीति के तहत अनुसंधान का महत्व समझाया । उन्होंने बताया कि छात्राओं को अपनी रुचि अनुसार समस्या का

चयन कर छोटे- छोटे अनुसंधान करना चाहिए सरकारी योजनाओं पर अनुसंधान करने के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। डॉ. श्वेता उपाध्याय धर ने कार्यक्रम का संचालन किया । धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डॉ. शर्मिता नंदी ने किया । अर्थशास्त्र विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नीतू सिंह और डॉ. अन्जुला कुमारी ने इस कार्यक्रम में सहयोग किया । अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की कॉर्डिनेटर प्रो. अर्चना सिन्हा एवं सदस्य प्रो. सुषमा त्रिवेदी, प्रो. राशिदा खातून प्रो. निशि गुप्ता डॉ. अर्पणा राय उपस्थित रही । महाविद्यालय की समस्त सम्मानित प्रवक्ताओं ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। बी.ए., बी.एससी एवं. बी. काम संकाय से छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

एटा में फूड प्रोसेसिंग तो संडीला में प्लाईवुड परियोजना के लिए भूमि आवंटित

यूपीसीडा ने ई नीलामी के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित किए 68 भूखंड

लखनऊ, 6 अक्टूबर। प्रदेश में औद्योगिक विस्तार के लिए प्रयासरत योगी सरकार विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भूखंडों की ई नीलामी को रफ्तार दे रही है।



इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा अपने औद्योगिक क्षेत्रों में लगातार प्लाट्स का ई-ऑक्शन किया जा रहा है। 05 अक्टूबर को ई-नीलामी के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं के लिए 68 भूखण्डों का आवंटन किया गया। इनमें जिन औद्योगिक समूहों

कड़ी में मथुरा, अलीगढ़, अमेठी, गौतमबुद्ध नगर, वाराणसी, कानपुर, शाहजहाँपुर, हरदोई एवं चन्दौली जनपदों के औद्योगिक क्षेत्रों के भूखण्डों के आवंटन हेतु आवेदन मांगे थे। प्राधिकरण के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि ई नीलामी में पूरी पारदर्शिता के साथ लगातार भूखंडों का आवंटन हो रहा है।

गुरुद्वारा श्री नाडा साहब 10 पातशाही को पार्किंग के लिए लगभग साढ़े चार एकड़ जमीन देने पर अकाली दल हरियाणा ने किया मुख्यमंत्री का धन्यवाद

नाडा साहब गुरुद्वारा आने वाले श्रद्धालुओं को वाहन पार्किंग में नहीं आएगी अब दिक्कत- मलविंदर सिंह बेदी

विनोद कश्यप प्रभारी दैनिक समाज जागरण पंजाब हरियाणा व चण्डीगढ़



चण्डीगढ़, अक्टूबर: शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के जिलाध्यक्ष मलविंदर सिंह बेदी ने गुरुद्वारा श्री नाडा साहब पातशाही दसवीं पंचकूला को पार्किंग के लिए करीबन साढ़े चार एकड़ जमीन पार्किंग के लिए दिए जाने पर हरियाणा सरकार व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर धन्यवाद किया । अपने धन्यवाद प्रस्ताव में बेदी ने बताया कि जब हरियाणा में भाजपा सरकार बनी थी तो करीबन 8 साल पहले हमने गुरुद्वारा साहब में श्री मनोहर लाल खट्टर जी के आने पर

आएगी बेदी ने विधानसभा अध्यक्ष व पंचकूला विधायक श्री ज्ञानचंद गुप्ता जी का भी विशेष तौर पर धन्यवाद किया हरियाणा गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने कल रात ही इस जमीन पर काम लगाकर पार्किंग व्यवस्था शुरू कर दी थी। बेदी ने इस मौके पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के नवनियुक्त प्रधान ज्येष्ठदार भूपेंद्र सिंह असंध व नवनियुक्त जनरल सेक्रेटरी रमनीक मान का भी विशेष तौर पर धन्यवाद किया इस मौके पर सुखदेव सिंह, भूपेंद्र सिंह जगजीत सिंह, लखविंदर सिंह, दलजीत सिंह, इंद्रपाल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

आकर्षक ऑफर, मात्र 300 मे लगवाए विज्ञापन

समाज जागरण के दुसरे वर्षगांठ पर आप सभी के लिए आकर्षक ऑफर है। मात्र 300 रुपये मे तीन एडिशन मे लगवाएँ विज्ञापन। 200 रुपये मे समाज जागरण पोर्टल पर।। 1 अक्टुबर से 15 अक्टुबर तक

साइज 3X5 Cm

